मेडिकल व्यापारी के घर हुई एक करोड़ की लूट की वारदात का खुलासा, चार गिरफ्तार

मेडिकल व्यापारी की दुकान पर काम कर चुके सेल्समैन ने ही रची थी लूट की साजिश

- सभी आरोपी बाड़मेर के अलग-अलग मेडिकल दुकानों पर काम करते हैं, वारदात का मास्टरमाइंड व्यापारी की दुकान पर काम कर चुका है
- मेडिकल व्यापारी उत्तमचंद पुत्र हाथीराम माहेश्वरी के घर से लुटेरे 40-45 तोला सोना, 50-60 किलो चांदी व 1.25 लाख रुपए नकद लूटकर ले गए थे

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिले के सरहदी गडरा रोड़ कस्बे में गत तीन सितंबर की मध्यरात्रि में मेडिकल व्यापारी के घर हुई करोड़ों की लूट का बाड़मेर पुलिस ने 72 घंटों में पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी अलग-अलग मेडिकल दुकानों पर काम करते है और वारदात का मास्टरमाइंड आरोपी व्यापारी की दुकान पर काम कर चुका है। ऐसे में उसे व्यापारी की पूरी जानकारी थी और अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों की तनख्वाह अधिक नहीं थी, इसलिए अपने मौज और शोक को पूरा करने के लिए इन्होंने यह लूट की। पुलिस ने 72 घंटो के अंदर वारदात का खुलासा किया। मामले में आरोपियों से माल की बरामदगी और अन्य आरोपियों की दस्तयाबी को लेकर जांच जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि गत 4 सितंबर की रात्रि में करीब 1.30 बजे गडरा रोड़ कस्बे में मेडिकल व्यापारी उत्तमचंद पुत्र हाथीराम माहेश्वरी के घर की छत के रास्ते चार नकाबपोश लुटेरों द्वारा घर में प्रवेश कर परिवादी उत्तमचंद व उसके परिवार के साथ मारपीट कर बंधक बनाकर 40-45 तोला सोना, 50-60 किलो चांदी व 1.25 लाख रुपए नकद लूटकर ले गए। जिले में यह लूट की सबसे बड़ी वारदात थी और इस घटना के बाद क्षेत्र में भय व्याप्त हो गया। लूट की घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों सहित मेडिकल एसोसिएशन ने भी आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपे थे। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा व अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जस्साराम बोस के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधिकारी, महिला अपराध अनुसंधान प्रकोष्ठ नितेश आर्य व रामसर वृताधिकारी मानाराम गर्ग के सुपरविजन में विशेष टीमों व स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन कर आवश्यक निर्देश दिए जिस पर पुलिस टीमों ने मामले में गहन अनुसंधान करते हुए घटनास्थल व अपराधियों के आने जाने के रास्ते, पेट्रोल पंप, टोल नाकों के करीब 100 से ज्यादा कैमरों और 80 किलोमीटर में आने वाले बाड़मेर, जैसलमेर व जालोर के क्षेत्र में समस्त संभावित रास्तों के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान व भागने के रास्तों का पता लगाने का प्रयास किया। गडरा रोड़ कस्बे में पिछले दिनों आने जाने वाले लोगों की गोपनीय सूचना ली गई और पीड़ित व्यापारी के दुकान व घर में पिछले 15 सालों तक काम करने वाले घरेलू नौकर और सेल्समैन की जानकारी जुटाकर उन पर विशेष निगरानी रखी गई।

पुलिस द्वारा मामले में किए गए अनुसंधान और उच्च अधिकारियों द्वारा घटनाक्रम को बारीकी से समझने पर शक की सुई स्थानीय किसी नौसिखिए बदमाश व पीड़ित परिवार के किसी पहचान वाले पर गई। इस दौरान परिवादी की गडरा रोड़ स्थित मेडिकल दुकान पर कुछ साल पहले काम कर चुके युवक व उसके फार्मा सेल्समैन मित्रों की असामान्य गतिविधियों व डाटा पैटर्न का बारीकी से विश्लेषण किया गया तो उक्त चार युवक संदेह के घेरे में आ गए जिस पर इन युवकों को पुलिस द्वारा सर्विलांस पर रखा गया। पुलिस ने तीन दिन तक अथक प्रयास कर आरोपियों को ट्रेसआउट कर गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि वारदात में शामिल मुख्य आरोपी पहले परिवादी उत्तमचंद की मेडिकल दुकान पर सेल्समैन की नौकरी करता था। ऐसे में उसे परिवादी के घर दुकान की पूरी जानकारी थी। वारदात में शामिल सभी आरोपी बाड़मेर में अलग-अलग मेडिकल की दुकानों पर सेल्समैन की नौकरी करते है तथा सभी अलग अलग गांव के निवासी है। चारों आरोपी मेडिकल की दुकान पर नौकरी करने के दौरान आपस में परिचित हुए थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गडरा निवासी लूटेरे ने अपने पुराना सेठ आयु में अधिक होने, घर पर कम सदस्य रहने तथा ज्यादा माल मिलने की जानकारी होने पर अपने अन्य 3 दोस्तों के साथ मिलकर कई दिनों तक इस लूट की योजना बनाते हुए परिवादी के पुत्र के गडरा से बाहर जाने का इंतजार किया, जब इन्हें पता चला कि परिवादी का पुत्र आज गडरा से बाहर है, घर पर केवल परिवादी व उसकी वृद्ध पत्नी तथा उसकी पुत्री तथा दूधमुंही नातिन होने का मौका देखकर घटना को अंजाम देने का फैसला किया। इन चारों अपराधियों द्वारा अलग-अलग साधनों से 3 तारीख की शाम गडरा पहुंच परिवादी के मकान की रैकी करना प्रारम्भ की तथा मध्य रात्रि में कस्बा में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचाव करते हुए परिवादी के पडौसी मकान की छत पर चढ़कर सीढ़ियों के रास्ते परिवादी के घर में प्रवेश किया तथा परिवादी व उसके परिवार को एडेसिव टेप से हाथ व मुंह बांधकर उक्त वारदात को अंजाम दिया। वारदात के पश्चात चारों लूटेरे परिवादी की पुत्री का मोबाइल पास स्थित रेलवे ट्रेक के पास झाड़ियों में फेंककर सीसीटीवी फुटेज से बचने के लिए रेलवे पटरी-पटरी गागरिया कस्बा तक पैदल पहुंचे व सामने से अपने सहयोगी से साधन मंगवाकर गागरिया से उस साधन से पृथक पृथक अपने स्थानों को रवाना हुए। रातभर जगने के बावजूद भी चारों लूटेरे प्रातः नियमित दिनचर्या अनुसार अपनी-अपनी मेडिकल की दुकान पर पहुंचकर कार्य करने लगे जिससे लोगों में किसी प्रकार का शक न हो। उक्त चारों अपराधियों के विरूद्ध पूर्व में कोई प्रकरण दर्ज होना नहीं पाया गया है।

उदयपुर-झाड़ोल हाइवे पर लैंडस्लाइड होने से जाम लगा

- पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर हाइवे पर गिर गए, जिससे यातायात बाधित हो गया
- अलीपुरा से बहे युवक का शव मिला, सायरा के पास नदी में बहा वृद्ध

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में सोमवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी हुई। ठंडी हवाएं चलने के साथ ही मौसम में ठंडक घुल गई। इधर मौसम विभाग ने सोमवार को भी येलो अलर्ट के साथ बारिश की चेतावनी दी। वहीं उदयपुर-झाडोल ईडर राष्ट्रीय राजमार्ग 58 ई पर लैंडस्लाइड होने से जाम लग गया था जो पूरी तरह से दोपहर में जाकर खुला। हाइवे पर उन्दवेला में लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर हाइवे पर गिर गए जिससे दोनों तरफ से यातायात बाधित हो गया। इससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहां पर ग्रामीणों ने अपने स्तर पर रास्ता साफ करने का काम शुरू किया। सूचना पर झाडोल थाने से पुलिस भी मौके पर पहुंची। दोपहर बाद पूरी तरह से मार्ग खुल गया था। रविवार रात को तेज बहाव के चपेट में आये युवक का शव सोमवार को मिला। वहीं सोमवार को एक वृद्ध तेज बहाव में बह गया।

उदयपुर में रविवार रात करीब 11 बजे भूपालपुरा थाना क्षेत्र के अलीपुरा में स्थित शहीद भगत सिंह ब्रिज के वहां पानी में बहे एक युवक का सोमवार तड़के तक पता नहीं चला। सिविल डिफेंस की टीम ने वहां पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसके बाद सोमवार सुबह वापस उसे परिजनों और अन्य ने खोजना शुरू किया तो जहां वह गिरा उससे आधा किलोमीटर दूर उसका शव मिला। मृतक की शिनाख्त शेरू (26) के रूप में हुई है। वहीं उदयपुर के सायरा क्षेत्र में तिरोल के बोरमचा पुलिया से एक वृद्ध पानी में बह गया। पुलिया पार करते 60 वर्षीय रोहिडा गांव का रहने वाला जालूराम गमेती तेज पानी के बहाव में बह गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें वृद्ध बह रहा था। सूचना मिलने पर गोगुंदा उपखण्ड अधिकारी शुभम भैसारे, सायरा तहसीलदार सुरेश मेहता, थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत मौके पर पहुंचे। तहसीलदार सुरेश मेहता ने बताया कि सुबह करीब दस बजे की घटना है। ग्रामीणों ने उसे जाने से मना किया लेकिन वह बनास नदी की पुलिया पर गया और तेज पानी के साथ बह गया। उन्होंने बताया कि उसने तैरते हुए बचने की काफी कोशिश की लेकिन पानी का वेग तेज था और वह बह गया। उदयपुर से सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया गया लेकिन इससे पहले करीब 400 मीटर की दूरी पर उसका शव नदी किनारे मिला।

उदयपुर जिले के कैचमेंट क्षेत्र में हुई बारिश से जलाशयों में लगातार पानी की आवक जारी है। आयड़ नदी में लगातार पानी बहने से किसानों की फसल चौपट हो गई है। आयड नदी के उफान पर आने के बाद उदयसागर के आस-पास के गांवों में तबाही मची हुई है। उदयसागर की पूर्ण भराव क्षमता 24 फीट है और यह शनिवार देर रात करीब 28 फीट तक भर गया। सोमवार को भी उदयसागर का गेज 27.50 फीट पर था। उदयसागर के बैक वाटर से प्रभावित गांवों में हजारों बीघा खेतों में फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और सब्जियां उदयसागर के बैकवाटर में दफन हो चुकी है। पशुओं को खिलाने वाला चारा भी पानी से बर्बाद हो चुका है।

कानपुर के पूर्व उप सरपंच मदनलाल डांगी ने बताया कि आयड नदी के दोनों छोर पर स्थित गांवों के किसानों की फसलें चौपट हो गई है। प्रभावित गांवों में कानपुर, नदी वाला खेडा, भोईयों की पंचोली, खरबडिया, मटून और लकडवास शामिल हैं। डांगी ने बताया कि किसानों की फसल, सब्जियां और पशुओं का हरा चारा पूरी तरह से तबाह हो गया है। उन्होंने सरकार से तुरंत प्रभाव से मुआवजा जारी करने और सूखा चारा उपलब्ध कराने की मांग की है।

परीक्षा केन्द्र पर कुछ सेकण्ड लेट पहुंची युवती, नहीं मिली परीक्षा की अनुमति

- मालपुरा क्षेत्र की एक युवती 10-15 सेकेंड लेट होने से पर परीक्षा सेंटर के बाहर गेट पर ही बैठकर खूब देर तक रोई
- रोते हुए गेट पर हाथ मार कर काफी देर तक गेट खोलने की गुहार लगाई, लेकिन परीक्षा के नियमों के आगे सब बेबस नजर आए

टोंक, (निसं)। आरपीएससी की वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन सोमवार को पहली पारी की परीक्षा 29 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। पहली पारी में रजिस्टर्ड 9960 अभ्यर्थियों में से 7675 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं रविवार को मालपुरा क्षेत्र की एक युवती 10-15 सेकेंड लेट होने से पर परीक्षा सेंटर सेंट सोल्जर स्कूल के बाहर गेट पर ही बैठकर खूब देर तक रोई, उसने रोते हुए गेट पर हाथ मार कर काफी देर तक गेट खोलने की गुहार लगाई, लेकिन परीक्षा के नियमों के आगे सब बेबस नजर आए। गेट नहीं खुलने पर लोगों ने उसे समझाकर घर के लिए रवाना कर दिया। ऐसे ही इमानुएल सीनियर सेकेंडरी स्कूल टोंक पर भी एक दो मिनट लेट आए चार अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित हो गए।

अति. जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया ने बताया कि रविवार को पहली पारी सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पारी दोपहर बाद तीन बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक होगी। एक घंटे पहले परीक्षा सेंटर पर प्रवेश बंद कर दिया जाएगा, पुलिस समेत अन्य की माकूल व्यवस्था की गई है। 12 सितंबर तक चलने वाली सेकंड ग्रेड भर्ती इस परीक्षा के लिए जिले में 72 हजार से अधिक अभ्यर्थी रजिस्टर्ड है। कड़ी चैकिंग के बाद परीक्षार्थी को परीक्षा शुरू होने से सेंटर पर दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

फर्जी सिम बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

भवानीमंडी, (निसं)। पुलिस ने साइबर अपराध में लिप्त एयरटेल सिम विक्रेता के खिलाफ साइबर सैल झालावाड़ व भवानीमंडी पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए 10 एयरटेल कंपनी की 5 जी सिम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी ग्राहकों कि जानकारी के बिना उनकी आईडी से केवाईसी के नियमों का उल्लंघन कर एक से अधिक बार केवाईसी कर एक से अधिक फर्जी सीमें षडयंत्रपूर्वक धोखाधड़ी से एवं कुटरचित पूर्वक जारी करता था। थानाधिकारी रमेशचंद मीणा ने बताया कि सिम विक्रेता ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी आईडी से सिम जारी करता है।

जुआ खेलने वाले सात जुआरी गिरफ्तार

पुलिस ने जुआ खेलने के मामले में सात जनों को गिरफ्तार किया।

- रामगढ़ झूठा के जंगल में जुआ खेलते वाले जुआरियों के विरूद्ध कार्रवाई, जुआ राशि जब्त की

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना, आरपीएस के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी सदर, गजराज पु.नि. मय टीम द्वारा थाना क्षेत्र के रामगढ़ झूठा के काकड़ की झाडियों मे दो अलग-अलग स्थानों पर दो समुह में बैठकर जुआ खेलते सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 30560 रूपये नगद जब्त की है।

थानाधिकारी सदर को मुखबिर से सूचना मिली कि रामगढ़ झूठा के काकड़ की झाड़ियों में 8-10 व्यक्ति ताश के पत्तों पर रूपये-पैसों का दांव लगा कर जुआ खेल रहे हैं। सूचना विश्वसनिय होने पर थाना स्तर पर दो अलग-अलग टीमों का गठन किया जाकर टीमों द्वारा रामगढ़ झूठा की काकड़ के जंगल में एक साथ दबिश दी गई। दबिश के अंतर्गत सात व्यक्ति ताश के पत्तों पर रूपये पैसों से दांव लगाकर जुआ खेलते मिले जिनके पास जुआ रकम मिली, जिनको जब्त कर युवराज प्रजापत पुत्र सोहनलाल निवासी कृष्णा कॉलोनी, कैलाशचन्द पुत्र मदनलाल कुम्हार निवासी मेवाडी गेट सब्जी मण्डी रोड, सूर्यप्रकाश उर्फ सूरज पुत्र द्वारकाप्रसाद दाधिच कॉलोनी मसुदा रोड, सुरेश सोनी उर्फ कालुराम पुत्र पुखराज सोनी निवासी अस्पताल रोड मारवाड जंक्शन, कैलाश सिंह पुत्र भरमा सिंह रावत निवासी बिजयनगर रोड सेदरिया जेल के सामने, कालु पुत्र जमाल शेख निवासी बिजयनगर रोड सेदरिया, दीपु पुत्र मनोहरलाल खटीक निवासी लोकाशाह नगर सब्जी मंण्डी के सामने आदि को गिरफ्तार किया।

जेवर व नगदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। घंटाघर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मकान में घुस सोने चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडत सिंघटवाड़ियों के सेहरी बड़ा बाजार निवासी मिलन सोनी पुत्र हीरालाल ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 6 सितंबर को अज्ञात चोर मकान में घुस कर अलमारी से सोने कंगन, मंगलसूत्र, 4 अंगूठियां सोने की, एयरिंग, सोने के दो मनके, चेन चांदी की पायल, फूल, 5 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। इसका पता चलने पर जांच की लेकिन सुराग नहीं लगा। वहीं शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। सोमवार सवेरे विजेन्द्र सिंह (50) की तबीयत खराब होने पर परिजन एमबी चिकित्सालय ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला करने के मामले में चार गिरफ्तार

- पुलिस ने नयाशहर थाना इलाके से दो नाबालिग को निरूद्ध किया है

बीकानेर, (निसं)। यहां करमीसर क्षेत्र में प्लॉट विवाद के चलते भाजपा नेता के घर पर महिलाओं को पीटने, बाल पकड़कर फैंकने के मामले में पुलिस ने चार जनों को गिरफ्तार किया है। बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानन्द व्यास स्वयं मौके पर पहुंचे थे, इसके बाद भी पुलिस ने गिरफ्तारी में दो दिन लगा दिए।

तीन सितम्बर को गणेश पंवार ने बताया था कि उसके पिता फागुराम व परिवार के अन्य सदस्य घर व बाडी में थे। इसी दौरान बदमाशों ने वहां पहुंचकर मारपीट शुरू कर दी। पिता के सिर पर में चोट लगी। बीच बचाव करने पहुंची महिलाओं के साथ अभद्रता की गई और बाल खींचकर बाहर फेंका गया। आरोप है कि डॉ. राधेश्याम आर्य ने कागजों में हैराफेरी कर हमारे मकान व बाडी पर कब्जा करने की कोशिश की। उस दिन अचानक से धड़ाम की आवाज आई तो गणेश भाग कर बाडी में आगे की तरफ गया तो देखा कि ओमप्रकाश पंवार पुत्र लाखाराम, डॉ. राधेश्याम, मोहनराम जाट, गणेशाराम, सुभाष, ओमप्रकाश जाट व 30-40 अन्य व्यक्ति व 10-12 औरतें दो स्कॉर्पियों, कैम्पर, स्वीफ्ट आदि में आये। मेरे व मेरे परिवार के उपर जानलेवा हमला कर दिया जिससे गणेश के हाथ, पैरों, मुंह, पीठ, कमर पर चोट लगी है।

आईजी हेमन्त शर्मा के निर्देश पर थानाधिकारी विकास बिश्नोई ने इस मामले में चार जनों को गिरफ्तार किया है। इनमें ओमप्रकाश पुत्र दुर्गाराम निवासी गली नम्बर दो रामपुरा बस्ती, मदनलाल पुत्र गैनाराम बस ड्राईवर झाला ट्रेवल्स बीकानेर, दीनदयाल उर्फ दिनेश पुत्र शिवप्रताप निवासी मुनीम सनराईज ट्रैडर्स बीकानेर, पवन पुत्र बुधराम निवासी चुंगी चौकी को गिरफ्तार किया है। इस झगड़े में दो नाबालिग भी शामिल थे। पुलिस ने नयाशहर थाना इलाके से दो नाबालिग को निरूद्ध किया गया। इन दोनों के खिलाफ भी कानून अनुसार कार्रवाई अलग से की जा रही है।

बैंक में चोरी का प्रयास विफल

उदयपुर, (निसं)। जिले में देर रात थाने से महज 150 मीटर दूरी पर चोरों ने पंजाब नेशनल बैंक की दीवार तोड़कर चोरी की कोशिश की। इस दौरान आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए। बाहर आकर देखने पर चोर भाग निकले। चोरों ने बैंक की साइड की दीवार पर नीचे की तरफ करीब दो फीट का छेद कर दिया था। घटना कोटडा थाना क्षेत्र में बीती रात करीब ढाई बजे की है। दीवार तोड़े जाने की आवाज सुनकर आसपास लोग जाग गए। लोगों ने बाहर आकर देखा तो दो युवक दिखाई दिए। इसके बाद बदमाश तुरंत मौके से फरार हो गए। लोगों का कहना है कि कुछ देर से दीवार को तोड़े जाने की आवाज लगातार आ रही थी। कोई घटना का अंदेशा होने से वे घर से बाहर आए तब वारदात का पता लगा।

जुआ खेलते सात गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में उनियारा थानाधिकारी कप्तान सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कस्बा उनियारा में सवाई माधोपुर रोड बंसल पेट्रोल पम्प के पास स्थित एचएस की दुकानों के पास बम्बूलों की आड़ में दो अलग-अलग गुटों को जुआ खेलते हुये सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से जुआ राशि 71 हजार रुपये जब्त की।

थाना टीम ने जुआ खेलने की मिली सूचना पर कार्रवाई कर कई स्थानों पर दबिश देकर एक स्थान से चार आरोपी जिनके कब्जे से 43 हजार रूपये की राशि तथा द्वितीय टीम द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 28 हजार रुपये जब्त किये गये। इस कार्रवाई में जितेन्द्र पुत्र मांगीलाल बैरवा, रामजीलाल पुत्र तुलसीराम, बन्ना खां पुत्र फकीर मोहम्मद, विजय कुमार पुत्र प्रकाश, विकास कुमार उर्फ बिड्डु पुत्र रतन लाल, ओमप्रकाश पुत्र आशाराम व रोहिताश पुत्र काशीराम जाट समस्त निवासी थाना बनेठा जिला टोंक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ बीएनएस व आरपीजीओ में प्रकरण दर्ज किया गया, जिन्हें न्यायालय एसीजेएम उनियारा में पेश किया गया।

चौरड़ी कृषि पर्यवेक्षक से चार लोगों ने मारपीट की, अस्पताल में भर्ती कराया

- कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सैंथल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया
- मामला तेजी से बढ़ने की आशंका के चलते पुलिस ने एक जने को गिरफ्तार किया
- क्षेत्र में फसलों में हुए खराबा का सर्वे करने के लिए कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीना अपने कार्य क्षेत्र में आए हुए थे

दौसा, (निसं)। सैंथल थानान्तर्गत बासड़ी चौराहा पर रविवार रात्रि को चार लोगों ने चौरड़ी कृषि पर्यवेक्षक राकेश कुमार मीणा के साथ जमकर मारपीट कर दी, जिसके चलते कृषि पर्यवेक्षक गंभीर रुप से घायल हो गये, जिन्हे स्थानीय लोगो की मदद से उपचार के लिए राजकीय जिला चिकित्सालय भर्ती कराया है। इधर उक्त घटनायें से गुस्साये कृषि अधिकारी एवं दर्जनों कृषि पर्यवेक्षक सैंथल थाना पहुंचे तथा मारपीट करने वालो को तत्काल गिरफ्तार किये जाने की मांग की। उधर मामला तेजी से बढ़ने की आशंका के चलते सैंथल पुलिस ने मारपीट के आरोप में एक जने को गिरफ्तार कर लिया है।

सैंथल थाना के बाहर कृषि पर्यवेक्षकों ने प्रदर्शन किया।

सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीना ने बताया कि रविवार को क्षेत्र में फसलों में हुए खराबा का सर्वे करने के लिए कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीना अपने कार्य क्षेत्र में आए हुए थे। राजकार्य करने के बाद सूचना देने के लिए सहायक कृषि अधिकारी मुख्यालय सैंथल जा रहे थे। रास्ते में बासडी चौराहा पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों ने उन्हें रास्ते में रोककर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया एवं मारपीट की और उनके पास जो राजकीय दस्तावेज थे उन्हें फाड़ दिया। मौके पर उपस्थित लोगों ने बड़ी मुश्किल से उन्हें इन लोगों से बचाया, उसके बाद सहायक कृषि अधिकारी सैंथल घासीराम मीणा एवं कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीणा पुलिस थाना सैंथल पहुंचे एवं उक्त सभी चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट एवं राजकार्य में बाधा के संबंध में मुकदमा दर्ज करवाया। वहीं एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दूरभाष पर सहायक कृषि अधिकारी सैंथल घासीराम मीणा ने इस घटना की सूचना सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीणा एवं संयुक्त निरेशक कृषि (विस्तार) दौसा रामराज मीना को दी। सैंथल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद देर रात्रि राकेश कुमार मीना कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी को राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा में आपातकालीन वार्ड में लेकर पहुंचे एवं उनका इलाज करवाया गया। इस घटना से जिले के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। सोमवार को कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सैंथल पुलिस थाना पहुंचे एवं आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई कृषि विभाग के अधिकारियों की मांग है कि जल्द से जल्द अन्य तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए, यदि 2 दिन में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो जिले के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा जिला कलक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीणा, सहायक कृषि अधिकारी घासीराम मीणा, घासीलाल मीणा, ओमप्रकाश बैरवा, कृषि पर्यवेक्षक वीणा मीणा, अनीता मीणा, चमेलाबाई मीणा, राकेश कुमार मीणा एवं उनके परिजन एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

अफीम से भरा बैग फेंककर भागा एक और आरोपी गिरफ्तार

एनडीपीएस के मामले में लंबे समय से फरार ईनामी आरोपी जगदीश उर्फ जेडी को गिरफ्तार किया

- आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जोधपुर, फलोदी आदि स्थानों पर गयी एवं स्थानीय पुलिस को अवगत कराया था

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में पुलिस दल ने 10 मई 2023 को अफीम भरा बैग फेंककर भागने के मामले में ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के सुपरविजन में बांसवाड़ा पुलिस व जोधपुर साइक्लोनर टीम ने एनडीपीएस के मामले में लंबे समय से फरार ईनामी आरोपी जगदीश उर्फ जेडी पुत्र मांगीलाल खिलेरी विश्नोई निवासी भारताणियों की ढाणी, एकल खोरी, थाना ओसिया जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 10 मई 2023 को तत्कालीन थानाधिकारी कोतवाली रतन सिंह ने मय जाप्ते के नाकाबंदी के दौरान नाकाबंदी तोड़कर भागी कार का पीछा किया तो आरोपियों ने चलती कार से बैग फेंक दिया और कार को लड्ढा हॉस्पिटल के पास छोड़कर भाग गये थे। बैग में 16 किलो 25 ग्राम अवैध अफीम होने से अफीम व कार जब्त की गयी थी। अनुसंधान के दौरान आरोपी भरतदान उर्फ भरतचारण निवासी नोखड़ा चारणान, जिला फलौदी को गिरफ्तार किया था। भरतदान ने बताया कि उसने यह अफीम राहुल लोहार एवं पुश्करदास बैरागी से ली थी जिसने किसी मिलने वाले व्यक्ति से एकत्रित कर रखी थी। इसके पैसे भरतदान व जगदीश उर्फ जेडी ने दिये थे।

इस अफीम में से 1 किलो लक्ष्मण पुत्र बाबुराम बिश्नोई निवासी जेसला व 2 किलो अशोक पुत्र परतापाराम निवासी जेसला को देनी थी। 1 किलो रामस्वरूप निवासी जेसला और 3 किलो सुभाश विश्नोई निवासी नोखड़ा को देनी थी वहीं शेष 9 किलो अफीम जगदीश उर्फ जेडी को अपने पास रखनी थी। अभियुक्त भरतदान व पुष्करदास टाटा हेरियर तथा अशोक व राहुल लोहार क्रेटा गाड़ी में थे। बांसवाड़ा पुलिस ने अशोक की क्रेटा कार रोकने का ईशारा किया था जिस पर अशोक कार लेकर भाग निकला और उसके पीछे-पीछे इन लोगों की गाड़ी भी निकल गयी।

अभियुक्त भरतदान उर्फ भरत चारण को बांसवाड़ा पुलिस ने स्थानीय पुलिस की सहायता से गिरफ्तार किया। शेष आरोपी फरार थे जिन पर जिला पुलिस अधीक्षक ने बीस-बीस हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की थी। इसके पश्चात् आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जोधपुर, फलोदी आदि स्थानों पर गयी एवं स्थानीय पुलिस को अवगत कराया। स्थानीय पुलिस व बांसवाड़ा पुलिस ने आरोपी के निवास पर कई बार दबिश दी व दबाव भी बनाया था। जिसके चलते आरोपी जगदीश उर्फ जेडी विश्नोई को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया।